

किशोर न्यायालय में प्यासा बचपन

जबलपुर। बच्चों के संरक्षण, सुधार और बेहतर भविष्य के उद्देश्य से संचालित रांझी-गोकलपुर स्थित किशोर न्यायालय परिसर इन दिनों बुनियादी सुविधाओं के गंभीर संकट से जूझ रहा है। यहां रह रहे बच्चों को स्वच्छ पेयजल और दैनिक उपयोग के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। स्थिति ऐसी बन गई है कि मासूमों को पीने के पानी के लिए इंतजार करना पड़ रहा है, जबकि शौचालय और स्नानागारों में पानी की कमी ने स्वच्छता व्यवस्था को भी प्रभावित कर दिया है।

भीषण गर्मी और उमस के बीच जल संकट ने बच्चों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। परिसर में रह रहे बच्चों की दिनचर्या पर इसका सीधा असर पड़ रहा है। पानी की कमी के कारण न केवल उनकी मूलभूत आवश्यकताएं प्रभावित हो रही हैं, बल्कि स्वास्थ्य संबंधी जोखिम भी बढ़ने लगे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार

परिसर में जलापूर्ति नियमित नहीं होने से बच्चों को कई बार आवश्यक जरूरतों के लिए भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। शौचालयों में पर्याप्त पानी न होने से स्वच्छता व्यवस्था चरमराने लगी है, जिससे संक्रमण और बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। बच्चों के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी रखने वाले संस्थान में ऐसी स्थिति कई सवाल खड़े कर रही है।

कई दिनों से बनी हुई है समस्या

स्थानीय सूत्रों और किशोरों के परिजनों का कहना है कि जल संकट कोई एक-दो दिन की समस्या नहीं, बल्कि पिछले कई दिनों से लगातार बना हुआ है। इसके बावजूद अब तक स्थायी समाधान की दिशा में कोई प्रभावी पहल दिखाई नहीं दी है। बच्चों की देखरेख और पुनर्वास के लिए बनाए गए संस्थान में मूलभूत सुविधाओं का अभाव प्रशासनिक

संबेदनशीलता पर भी प्रश्नचिह्न लगा रहा है। सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि जिन बच्चों की सुरक्षा, शिक्षा और बेहतर जीवन की जिम्मेदारी शासन और प्रशासन पर है, उन्हें पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा के लिए संघर्ष

करना पड़ रहा है। यह स्थिति बाल अधिकारों और मानवीय संवेदनाओं दोनों के विपरीत है। इस संबंध में बाल संप्रेषण गृह के जिम्मेदार अधिकारियों से संपर्क करने के कई प्रयास किए गए, लेकिन अथक कोशिशों के बावजूद उनका पक्ष प्राप्त नहीं हो सका।

प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की अपेक्षा

किशोर न्यायालय परिसर में उत्पन्न यह स्थिति केवल पानी की समस्या नहीं, बल्कि बच्चों के अधिकारों, स्वास्थ्य और गरिमापूर्ण जीवन से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। यदि समय रहते समाधान नहीं किया गया तो यह मामला व्यापक जनधिता का विषय बन सकता है। ऐसे में अब निर्वाह प्रशासन पर टिकी है कि वह इन बच्चों की परेशानी को कितनी गंभीरता से लेते हुए राहत पहुंचाता है।

विशेषज्ञों ने जताई चिंता

बाल कल्याण और स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक विकास और स्वच्छ जीवनशैली के लिए पर्याप्त एवं स्वच्छ पानी की उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है। जल संकट की स्थिति लंबे समय तक बनी रहने पर बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए संबंधित विभागों को तत्काल निरीक्षण कर वैकल्पिक जल व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ स्थायी समाधान की दिशा में तौस कदम उठाने चाहिए।

जल प्लावन से मुक्ति के लिए दिन-रात काम कर रहा स्वास्थ्य अमला

नवभारत, जबलपुर। वर्षा ऋतु को देखते हुए नगर निगम पूरी तरह अलर्ट है। नागरिकों को जल प्लावन की समस्या से स्थाई राहत दिलाने के लिए निगम द्वारा युद्ध स्तर पर वर्षा पूर्व तैयारियां की जा रही हैं। ?महापौर जगत बहादुर सिंह अन्न् एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देशन में नगर निगम का पूरा स्वास्थ्य अमला दिन-रात एक कर शहर के सभी छोटे-बड़े नालों और नालियों की सफाई में जुटा हुआ है। आधुनिक मशीनोंी संसाधनों का भरपूर उपयोग किया जा रहा है, पर्याप्त संख्या में मानव संसाधनों को भी तैनात किया गया है, ताकि पानी



की निकासी में कोई बाधा न आए।

जल प्लावन नियंत्रण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही

नागरिकों को मिलेगी राहत

जलभराव की समस्याओं को चिन्हित कर उनका समय से पहले समाधान किया जा रहा है। निगम प्रशासन ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे नालियों में प्लास्टिक या कचरा न फेंकें, ताकि सफाई व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

चलते ई-रिक्शा से महिला का मंगलसूत्र और मोबाइल लूटा

नवभारत, जबलपुर। कैंट थाना अंतर्गत अब्दुल हमीद चौक पर बीती रात एक बाइक सवार शांतिर बदमाश ने चलती ई-रिक्शा में बैठी महिला के गले से सोने का मंगलसूत्र और हाथ से मोबाइल झपट लिया। वारदात को अंजाम देकर आरोपी पलक झपकते ही गलियों में रफूचक़र हो गया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर हुलिए के आधार पर लुटेरे की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, तुलसी मोहल्ला वाई बाई का बग़ीचा निवासी अनुज कोरी (30) पेशे से ई-रिक्शा चालक हैं। बीती रात वह अपने ई-रिक्शा क्रमांक एमपी 20 एम जेड 3394 में अपनी पत्नी पूजा कोरी, साली मन्नु बेन और अपनी मासूम बच्ची को लेकर सदर मोदीवाड़ा जा रहे थे। परिवार वहां एपीएन स्कूल के पास रहने वाली अपनी बड़ी बहन गुडिया साहू के घर जा रहा था। रात करीब 10 बजे जैसे ही ई-रिक्शा अब्दुल हमीद चौक सदर के पास पहुंचा, तभी ई-रिक्शा में दाहिनी तरफ बैठी पूजा कोरी ने अपनी बहन गुडिया को घर का पता पूछने के लिए फ़ोन लगाया। पूजा ने जैसे ही मोबाइल फ़ोन से लगाया, ठीक उसी वक़ पीछे से एक अज्ञात मोटरसाईकिल सवार तेजी से आया। बदमाश ने पूजा के गले पर झपट्टा मारकर सोने का मंगलसूत्र और हाथ से मोबाइल फ़ोन छीन लिया।

मानसून में निखरता है भेड़ाघाट का प्राकृतिक सौंदर्य

नवभारत, जबलपुर। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भेड़ाघाट मानसून के आगमन के साथ एक अलग ही रूप धारण कर लेता है। संगमरमर की ऊंची-ऊंची चट्टानों के बीच बहने वाली मां नर्मदा का प्रवाह बरसात में अत्यंत तेज और विशाल हो जाता है, जिससे यहां का प्राकृतिक सौंदर्य अपने चरम पर पहुंच जाता है। धुआंधार जलप्रपात की गर्जना और चारों ओर फैली जलवाष्प पर्यटकों को रोमांचित कर देती है।

पर्यटन सीजन से बढ़ती है

स्थानीय लोगों की आजीविका

पर्यटन व्यवसायियों का कहना है कि मानसून समाप्त होने के बाद भेड़ाघाट में पर्यटकों की संख्या तेजी से बढ़ती है। अक्टूबर से शुरू होने वाला पर्यटन सीजन स्थानीय नाव संचालकों, होटल व्यवसायियों, हस्तशिल्प विक्रेताओं और अन्य लोगों के लिए रोजगार का प्रमुख माध्यम बनता है।

अक्टूबर का इंतजार

कर रहे हैं पर्यटक

प्राकृतिक सौंदर्य, धुआंधार



जलप्रपात, संगमरमर की घाटियां और मां नर्मदा की अविरल धारा भेड़ाघाट को देश ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एक विशेष पहचान दिलाती हैं। ऐसे में

पर्यटक अब 15 अक्टूबर का इंतजार कर रहे हैं, जब फिर से नर्मदा की लहरों पर नौकायन शुरू होगा और भेड़ाघाट की सैर का पूरा अनुभव लौट आएगा।

नौकायन है पर्यटकों का सबसे बड़ा आकर्षण

भेड़ाघाट आने वाले अधिकांश पर्यटकों के लिए नर्मदा नदी में होने वाली नौकायन सेवा सबसे बड़ा आकर्षण होती है। संगमरमर की घाटियों के बीच नाव की सैर करते हुए पर्यटक उन अद्भुत दृश्यों का आनंद लेते हैं, जिनकी पहचान विश्वभर में भेड़ाघाट को एक विशिष्ट पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करती है। मानसून के दौरान नदी का जलस्तर बढ़ने और तेज बहाव के कारण सुरक्षा की दृष्टि से नौकायन सेवा अस्थायी रूप से बंद कर दी जाती है। इसके चलते बरसात के मौसम में आने वाले पर्यटकों को बोंटिंग का आनंद नहीं मिल पाता। स्थानीय पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों के अनुसार, नौकायन सेवा पुनः 15 अक्टूबर से प्रारंभ किए जाने की तैयारी है।



करोड़ों का लोन घोटाला : पीड़ितों ने खोला भू-माफिया सिंडिकेट का राज

नवभारत, जबलपुर। शहर में जमीन की कूटरचना, फ़र्जी पावर ऑफ़ अटार्नी और बैंकों से अवैध लोन लेने वाले एक संगठित सिंडिकेट का भंडाफूट हुआ है। भू-माफ़िया से प्रताड़ित लोगों ने आनंद कुमार शुक्ला, अमन गुप्ता और राकेश गुप्ता ने पत्रकार वार्ता आयोजित की। इस प्रेस कॉन्फ़्रेंस में पीड़ितों ने दस्तावेजों के साथ बताया कि कैसे नागरिकों को झ़ांसा देकर करोड़ों रुपयों का चूना लगाया गया है। उप-पंजीकृत कार्यालय और बैंक कर्मचारियों की भूमिका भी उच्च स्तरीय जांच के दायरे में है।

अधरताल थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार, मोहित तिवारी, रोहित यादव और नवीन कुमार तिवारी ने गोहलपुर निवासी मो. शमीम मंसूरी की कुदरारी स्थित 1283 वर्गफुट संपत्ति के दस्तावेज व आधार-पैन कार्ड हड़पे। आरोपियों ने बैंकसुर प्रकाश नामदेव को बरगलाकर उसके नाम फ़र्जी पावर ऑफ़ अटार्नी बनाई, फ़कान की रजिस्ट्री नवीन तिवारी के नाम की और सेंटम हाउसिंग फ़ाइनेंस कंपनी से 22,86,029 रुपये का लोन प्रकाश के ख़ाते में डोलकर निवेल लिया। पीड़ित को घर पर रिकवरी नोटिस से उगी का पता चला। दूसरे मामले में संदीप श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित त्रिभूतिनगर

के खाली प्लांट को देखकर अमर सिंह ठाकुर की रजिस्ट्री के दस्तावेज हड़पे। फिर संदीप श्रीवास्तव, सतेन्द्र उपाध्याय (फ़र्जी) अमर सिंह ठाकुर), शशांक गौतम, अख़लम खान और भानुप्रकाश ने साज़िश रचकर शांतिबाई कोष्टा के फ़र्जी दस्तावेज व आधार कार्ड तैयार किए। आरोपी सतेन्द्र उपाध्याय और तथाकथित शांतिबाई कोष्टा को साक्षी मोहित तिवारी और अवंल दुबे के समक्ष खड़ा कर रजिस्ट्री कार्यालय अंधुआ में 31 मई 2019 को फ़र्जी विक्रय पत्र निष्पादित कराया। इसे पंजाब नेशनल बैंक में गिरवी रखकर 52,60,000 रुपये का लोन आदर्शन कर लिया। संजीवनी नगर थाने में धारा 419, 420, 467, 468, 471, 120 बी भादवि के तहत अपराध दर्द है।

रंगदारी और झूठी शिकायत

अमन गुप्ता ने बताया कि दलाल मोहित तिवारी और लखन नायक ने उनके पिता को मौजा माढोताल स्थित ख.नं. 152 का भूखंड क. 504 मूल मालिक कल्पना बर्देल का बताकर विवादमुक्त होने का भरोसा दिया। अनुबंध व शपथ पत्र दिखाकर सौदा कराया, जिसके बाद पीड़ित ने पत्नी अशिका गुप्ता और मित्र आयुष केशवानी की मां संगीता केशवानी के नाम रजिस्ट्री कराकर काम बनाया।

बारातियों पर हमला, पिता-पुत्र समेत पांच घायल

जबलपुर । माढोताल थाना अंतर्गत औरिया में बदमाशों ने बारातियों पर धारदार हथियार से हमला कर दिया जिसमें पिता-पुत्र समेत पांच लोग घायल हो गए जिन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक शनिवार को राजा वंशकार 19 वर्ष निवासी देवरी पटपरा बरेला ने रिपोर्ट दर्ज कराई किअबुआ सेव बाई वंशकार के बेटे अजय वंशकार को बारात में शामिल होने बीती रात देवरी पटपरा थाना बरेला से ग्राम औरिया माढोताल आये थे, बरात लग रही

थी। रात लगभग 11-30 बजे ग्राम औरिया में मेढी निवासी शारदा वंशकार उसके पास आकर शराब पीने के लिये पैसों की मांग करने लगा, उसने पैसे देने से मना किया तो शारदा वंशकार उसके साथ विवाद करने लगा पास में खड़े भूरे वंशकार, गुड्डू वंशकार, वीरू वंशकार भी आकर उसके साथ धारपीट करने लगे। धारदार हथियार से हमला कर चोट पहुंचा दी। उसके पिता नरेश वंशकार, जितेन्द्र बेन, गणेश बेन और करिश्मा बेन आकर बीच बचाव करने लगे तो उन पर भी हमला कर दिया जिसे सभी को चोटें आ गई। शायी का निमंत्रण देकर लौट

रहे युवक को मारा बका-

बेलखेड़ा थाना अंतर्गत कूला रोड में शादी का निमंत्रण देकर लौट रहे युवक पर बदमाश ने बका से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने बताया कि महंत कुमार मेहरा निवासी सुंद्रादेही का शनिवार को कूडकला में अपने भतीजे की शादी का निमंत्रण देकर मोटर सायकल में भनेज गणेश मेहरा के साथ घर वापस आ रहा था दोपहर लगभग 1-30 बजे कूला रोड में दुरौश मेहरा मिला। जिसने शराब पीने के लिये एक हजार रूपये की मांग कर दी। मना करने पर बका से महंत पर हमला कर चोट पहुंचा दी।

पिता-पुत्र पर हमला, 15 एकड़ फसल ट्रैक्टर से रौंदी

नवभारत, जबलपुर। भेड़ाघाट थाना अंतर्गत ग्राम ज्वाप जमुनिया में जमीनी विवाद को लेकर पिता-पुत्र पर लाठीचों, धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर आरोपियों ने ट्रैक्टर चलाकर पीड़ित की करीब 15 एकड़ खेत में लगी धान की रोपा फसल को पूरी तरह नष्ट कर दिया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार संदीप पटेल निवासी ग्राम ज्वाप जमुनिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि सहजपुर निवासी गोविंद प्रसाद सोनी की करीब 15 एकड़ जमीन पर पिछले 9 वर्षों से सिकमी पर खेती कर रहा है। इसी रकबे में से करीब 2 एकड़ जमीन गोविंद प्रसाद ने ग्राम जमुनिया निवासी गुड्डू उर्फ लक्ष्मण पटेल से खरीदी

थी, जिस पर गुड्डू का ही अवैध कब्जा था। गुड्डू ने तो जमीन खाली कर रहा था और न ही मालिक को सिकमी का पैसा दे रहा था। इसके बाद जमीन मालिक गोविंद प्रसाद ने अपनी जमीन वापस लेते हुए उस पर बखरनी कर दी थी। आरोपी गुड्डू उर्फ लक्ष्मण पटेल और उसके बेटे कुष्णा पटेल को शक था कि संदीप पटेल के कारण ही उनकी जमीन हाथ से निकल गई। इसी खुन्नस में दोनों आरोपी ट्रैक्टर लेकर खेत पर पहुंचे। आरोपियों ने वहां काम कर रहे संदीप और उसके बेटे सार्थक पटेल से अभद्रता शुरू दी। इसके बाद आरोपियों ने संदीप को 15 एकड़ खेत में लगी पूरी फसल पर ट्रैक्टर चलाकर उसे पूरी तरह

बर्बाद कर दिया। जब संदीप और उसके बेटे ने इसका विरोध किया, तो गुड्डू उर्फ लक्ष्मण ने डंडे से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इससे संदीप के बाएं पैर और बेटे सार्थक के बाएं हाथ के अंगूठे व पीट पर गंभीर चोटें आईं। इसी बीच, आरोपी कुष्णा पटेल ने हाथ में लिए धारदार बर्के से संदीप पर जानलेवा वार कर दिया। चीख-पुकार सुनकर मौके पर जमीन मालिक गोविंद प्रसाद सोनी, पीड़ित के छोटे भाई दिनेश पटेल, अखिलेश पटेल और अन्य ग्रामीण दौड़े। भीड़ को आना देख आरोपी यह धमकी देते हुए भाग गए कि यदि इस जमीन पर दोबारा खेती करने आए, तो जान से खत्म कर देंगे।

राष्ट्रपति आगमन के बीच नीट अभ्यर्थियों को परेशानी न हो

जबलपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित जबलपुर आगमन और 21 जून को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (री नीट) को लेकर डेमोक्रेटिक लॉयर्स फोरम, जबलपुर ने राष्ट्रपति के नाम जापन सौंपकर अभ्यर्थियों की सुविधा सुनिश्चित करने की मांग की है। जापन में कहा गया है कि राष्ट्रपति के दौरे के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के कारण शहर में यातायात प्रतिबंध लागू रह सकते हैं, जबकि उसी समय हजारों नीट अभ्यर्थी अपने परीक्षा केंद्रों की ओर रवाना होंगे। ऐसे में विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा या देरी का सामना न करना पड़े, इसके लिए विविध व्यवस्था की जानी चाहिए।फोरम ने जापन में

उल्लेख किया है कि नीट परीक्षा देश की सबसे महत्वपूर्ण प्रतियोगी परीक्षाओं में से एक है। हाल ही में परीक्षा से जुड़ी अनिश्चितताओं और तनावपूर्ण परिस्थितियों के कारण देशभर में कई विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटनाएं सामने आई हैं। ऐसी स्थिति में पुनः आयोजित होने जा रही परीक्षा में केंद्र तक पहुंचने में होने वाली मामूली देरी भी विद्यार्थियों के मानसिक तनाव को बढ़ा सकती है और उनके भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव होेगा। जापन के प्रतिनिधि अभ्यर्थी अपने परीक्षा केंद्रों की ओर रवाना होंगे। ऐसे में विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा या देरी का सामना न करना पड़े, इसके लिए विविध व्यवस्था की जानी चाहिए।फोरम ने जापन में

केंद्रों तक पहुंचने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करें। साथ ही पुलिस और सुरक्षा बलों को निर्देशित किया जाए कि नीट अभ्यर्थियों को अनावश्यक रूप से न रोका जाए तथा उन्हें प्राथमिकता के आधार पर परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में सहयोग दिया जाए।फोरम ने प्रशासन से राष्ट्रपति को सुरक्षा व्यवस्था और नीट परीक्षा के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की मांग करते हुए कहा है कि विद्यार्थियों के हित सांभालें हैं और उनके भविष्य से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। जापन की प्रतिलिपि पुलिस महानिरीक्षक, कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक जबलपुर को भी भेजी है।



5 हजार से अधिक हितग्राहियों को मिला शासन की योजनाओं का लाभ

नवभारत, जबलपुर। नागरिकों को शासन की हितग्राहीमूलक और कल्याणकारी योजनाओं का सीधा, त्वरित और पारदर्शी लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा लगातार पहल की जा रही है। भारत सरकार एवं मध्य प्रदेश शासन के दिशा-निर्देशानुसार, नगर निगम द्वारा शहर के सभी 16 संभागों में जनकल्याण शिविरों का सफल आयोजन किया गया। सुशासन और जन-सेवा को समर्पित इन शिविरों के माध्यम से एक ही छत के नीचे 5 हजार से अधिक हितग्राहियों को शासन की विभिन्न जनहितैषी योजनाओं का सीधा लाभ प्रदान कर उनके जीवन को सुगम बनाने का सराहनीय कार्य किया गया है।



नवभारत , जबलपुर । शहर के अधारताल स्थित एक निजी बैंक के बाहर फैली गंदगी सफाई व्यवस्था की

कार्यगणाली पर सवाल खड़े कर रही है। बैंक परिसर के सामने प्लास्टिक कचरा, सूखी पत्तियां, पेड़ों की टहनियां, कबाड़ और

अन्य अपशिष्ट खुले में पड़े हैं। हर दिन सैकड़ों लोग इसी रास्ते से बैंक पहुंचते हैं, लेकिन उन्हें गंदगी के बीच से गुजरना पड़ रहा है।

नवभारत की टीम द्वारा की गई पड़ताल में शुक्रवार को मौके पर बड़ी मात्रा में प्लास्टिक पैकेट,

रोजाना लोगों का आवागमन, फिर भी नहीं हुई सफाई

यह बैंक क्षेत्र के व्यस्त स्थानों में से एक है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्राहक अपने काम से पहुंचते हैं। इसके बावजूद बैंक के सामने फैली प्लास्टिक कचरा, सूखी पत्तियां, पेड़ों की टहनियां, कबाड़ और

घरेलू कचरा, सूखी शाखाएं और कबाड़ बिखरा मिला। आसपास कोई व्यवस्थित कचरा संग्रहण व्यवस्था दिखाई नहीं दी। लंबे समय से सफाई नहीं होने के कारण यह स्थान धीरे-धीरे अस्थायी डंपिंग प्वाइंट में तब्दील होता नजर आ रहा है।